पुलिस में सुधार से सुधरेगी कानून व्यवस्था

बदलाव पुलिस ट्रेनिंग को साइंटिफिक बनाना होगा, ताकि पुलिस कर्मी और अधिकारी मामलों को तत्परता से निपटाने में सक्षम हो सकें

पुलिस सिस्टम में बदलाव की सख्त जरूरत। पुलिस ट्रेनिंग फौजियों की तरह नहीं, साइंटिफिक होनी चाहिए।

संजीव राणा | कुरुक्षेत्र

पुलिस व्यवस्था में सुधार जरुरी है, ये सुधार पुलिस सिस्टम में करने चाहिए, तभी पुलिस संवेदी बन सकती है। पुलिस में मानवीय पहलुओं का समावेश ट्रेनिंग में बदलाव से आएगा।

वरना रूचिका और सरिता आत्महत्या और मानवाधिकारों का हनन यूं ही होता रहेगा। ये विचार इंग्लैंड से पुलिस रिफोंम पर शोध करने पहुंची मेलिशा गार्डन व मनिषा सिंह के हैं। मेलिशा जहां यूके में स्पेशल पुलिस कांस्टेबल रही है, वहीं मनिषा न्यूकैसल में काउंटी कोर्ट में एडवोकेट हैं। दोनों ने सामाजिक संस्था निशान के साथ मिलकर प्रदेश में पुलिस रिफोंम पर शोध किया। निशान संस्था के अध्यक्ष अरिंदमजीत सिंह के कार्यालय में भास्कर से बातचीत में मेलिशा बताती है कि यहां पुलिस की ट्रेनिंग फौजियों की तरह होती है, इसमें बदलाव होना चाहिए, क्योंकि दूसरे देशों में ऐसा नहीं है। पुलिस ट्रेनिंग को साइंटिफिक बनाना होगा, ताकि पुलिस कर्मी और अधिकारी मामलों को तत्परता से निपटाने में सक्षम हो सकें। मनिषा सिंह के मुताबिक मौजूदा पुलिस सिस्टम 150 साल से भी पुराना हो चुका है।

संस्था के अध्यक्ष अरिंदमजीत सिंह कहते हैं कि जो शोध किया गया है, उससे लोगों को अवगत कराने के लिए संस्था अभियान चलाएगी। लोगों को उनके अधिकारों से अवगत कराया जाएगा। पुलिस सिस्टम में बदलाव की काफी दरकरार है, लेकिन अधिकारिक लॉबी ऐसा नहीं होने देना चाहती, क्योंकि इससे उनके खुद के हित जुड़े हैं।

ऐलनाबाद से शुरू करेंगे अभियान

अरिंदमजीत और मनिषा बताते हैं कि वे अपना जागरुकता अभियान एलनाबाद से शुरू करेंगे। ऐलनाबाद में उपचुनाव होने हैं, संस्था सभी पार्टी प्रत्याशियों से बातचीत करेगी कि वे बदलाव के लिए जीत उपरांत क्या योगदान देंगे। इसमें देवीलाल यूनिवर्सिटी का सहयोग भी लिया जाएगा।